DOON UNIVERSITY NEWS SERVICE

इलेक्ट्रॉनिक व फोटोनिक यंत्रों की जानकारी महत्वपूर्ण : प्रो वालिया

नवीन तकनीकी ज्ञान विद्यार्थियों के कॅरिअर में सफलता के लिए आवश्यकः प्रो डंगवाल

अमर हिंदुस्तान

देहरादून। दून विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा आज2 डी सामग्रियों का ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक अनुप्रयोगर विषय पर सेमिनार का आयोजन किया। प्रोफेसर सुमित वालिया,आरएमआईटी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के अनुसंधानकर्ता इस समारोह के प्रमुख वक्ता थे उन्होंने इस विषय पर एक उद्घाटन भाषण दिया। अपने संबोधन में प्रोफेसर वालिया ने इलेक्ट्रॉनिक और फोटोनिक यंत्रों के लिए मानव दृष्टि और मस्तिष्क कार्य करने वाले नए सामग्री तंत्र पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अल्ट्रा-पतली सामग्रियाँ और सूक्ष्म-यंत्रों का विकास कैसे उच्च प्रदर्शन फोटोडिटेक्टर्स, कृत्रिम दृष्टि उपकरण, और विभिन्न उद्योगों के लिए सेंसिंग प्लेटफ़ॉर्म्स सहारा दे रहे हैं। प्रो वालिया ने बताया कि उन्नतता व नवाचार विकसित होने से रक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, ऊर्जा और अंतरिक्ष आदि क्षेत्रों में हाई-परफॉर्मेंस फोटोडिटेक्टर्स, कृत्रिम दृष्टि उपकरण, और बहु-उपयोगी संवेदनशील सेंसिंग प्लेटफ़ॉर्म्स के लिए कारगर सिद्ध हो रहा है। इसके अलावा यह

उन्नतता कैसे अन्य क्षेत्रों में भी एंटीमाइक्रोबियल तकनीकों में अपनाए जाय जिससे कि ड्रग रेजिस्टेंट पैथोजन्स को समाप्त करने में मदद मिल सके विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। समारोह में वि वि की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने भी उद्योगों के साथ इस प्रकार के कार्यक्रमों की उपयोगिता व महत्व पर चर्चा की, उन्होंने कहा कि इस तरह के सेमिनार्स और व्याख्यानों से सभी को सीखने का अवसर मिलता है विशेषकर छात्रों को नवाचार, उद्भावना, और तकनीकी विकास को समझने में सहायता मिलती है, जिससे उनका अध्ययन की व्यापकता और करियर में नई दिशाएँ मिलने की संभावना रहती हैं।

कार्यक्रम का आयोजन व संचालन डॉ. हिमानी शर्मा, भौतिकी विभाग के विभगाध्यक्ष ने किया गया । इस अवसर पर संगठन के डॉ. चारु द्विवेदी, डॉ. खुशबू सिंह, डॉ. इंदिरा, डॉ. हेमलता सहित शोध छात्र और छात्राएँ भी उपस्थित रहे।

News paper –Amar Hindustan
Date - 20.01.2024